Roll No. .....

Signature of Invigilator ……

Paper Code
MD 101

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Dec. – 2017

M. A. Philosophy (Semester: First)

Philosophy

सांख्य योग – I

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. योगदर्शन के प्रथम पाद में कितने प्रकार की समाधियों का वर्णन किया गया है? प्रमाणपूर्वक प्रत्येक का परिचय दीजिए।
2. सत्कार्यवाद तथा असत्कार्यवाद क्या है? सांख्यानुसार मान्यमत् के समर्थन में कोई पाँच प्रमाण प्रस्तुत करें।
3. 'वेदों में सृष्टि रचना' इस विषय की प्रमाणपूर्वक सविस्तार व्याख्या करें।
4. चित्त की वृत्तियों को शान्त करने के लिए योगदर्शन में ऋषि द्वारा कितने उपायों का उपदेश किया गया है? प्रमाणपूर्वक स्पष्ट करें।
5. सांख्यमतानुसार आत्मा देहादि से भिन्न तत्त्व हैं। प्रमाणपूर्वक व्याख्या करें।

खण्ड–ब
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. महर्षि पतंजलि ने कुल कितनी भावानायें चित्त की निर्मलता में सहायक मानी हैं? प्रमाणपूर्वक स्पष्ट करें।
2. मानव जीवन का सर्वोत्कृष्ट प्रयोजन क्या है तथा तीन प्रकार के दुःख कौन–कौन से हैं?
3. योग दर्शनानुसार ईश्वर के स्वरूप की प्रमाणपूर्वक व्याख्या करें।
4. सांख्य दर्शन कितने तत्त्वों को जानने से मोक्ष की प्राप्ति मानता है! प्रमाण देकर स्पष्ट करें।
5. चित्त की कितनी भूमियाँ है? भाष्यानुसार उनके धर्मों को स्पष्ट करें।
6. आत्मा स्वभाव से बद्ध या निमित्त से! और किसी एक कारण से बद्ध है तो प्रमाणपूर्वक मुक्ति के उपाय बतायें।

खण्ड-स
(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पॉच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(5×1=05)**

1. सांख्यमतानुसार भोग की परिसमाप्ती कहाँ तक हैं? प्रमाण देकर प्रस्तुत करें।
2. निर्बीज समाधि का स्वरूप क्या है?
3. सांख्यमतानुसार आत्मा का स्वरूप स्पष्ट करें।
4. अभ्यास कैसे दृढ़ होता है?
5. अध्यात्मप्रसाद क्या है? स्पष्ट करें।

----------x----------